भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1147

उत्तर देने की तारीख-10/02/2025

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस उत्कृष्टता केंद्र

1147. **श्री अजय कुमार मंडल:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने एम्स और आईआईटी के नेतृत्व में तीन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) शुरू किए हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) इस प्रयोजनार्थ कुल कितना वित्तीय परिव्यय किया जाना आवश्यक है तथा पिछले दो वर्षों के दौरान वास्तव में कितनी धनराशि का उपयोग किया गया; और

(घ) स्वास्थ्य परिचर्या, कृषि और संपोषणीय शहरों में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए इन उत्कृष्टता केंद्रों का योगदान क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (घ): "मेक एआई इन इंडिया और मेक एआई वर्क फॉर इंडिया" के विजन के लिए "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हेतु उत्कृष्टता केंद्रों" के संबंध में बजट घोषणा 2023-24 के पैरा 60 के अनुसरण में, सरकार ने वित्त वर्ष 2023-24 से वित्त वर्ष 2027-28 की अवधि के दौरान 990.00 करोड़ रुपये के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ स्वास्थ्य, कृषि और संपोषणीय शहरों के क्षेत्रों में एक-एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में तीन उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) की स्थापना को अनुमोदित किया है।

उद्योग और एआई क्षेत्र के विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, संबंधित मंत्रालयों के प्रतिनिधियों आदि की एक शीर्ष समिति ने स्वास्थ्य, कृषि और संपोषणीय शहरों के क्षेत्रों में क्रमशः एम्स दिल्ली-आईआईटी दिल्ली, आईआईटी रोपड़ और आईआईटी कानपुर के नेतृत्व वाले संघों का चयन किया।

इन तीनों क्षेत्रों में अंतःविषयक अनुसंधान करने, अत्याधुनिक अनुप्रयोग विकसित करने और उचित समाधान करने के लिए इन उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) को डिज़ाइन किया गया है। इस पहल का उद्देश्य इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एक प्रभावी एआई पारिस्थितिकी तंत्र को सक्रिय करना और गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधनों का पोषण करना है। इन संघों से प्राप्त अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास परिणामों को इन क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं के साथ सहजता से एकीकृत करने की भी

परिकल्पना की गई है, जिससे अत्याधुनिक नवाचारों का सार्वजनिक लाभ के लिए कार्यान्वयन योग्य समाधानों में परिवर्तन सुनिश्चित हो सके।

****